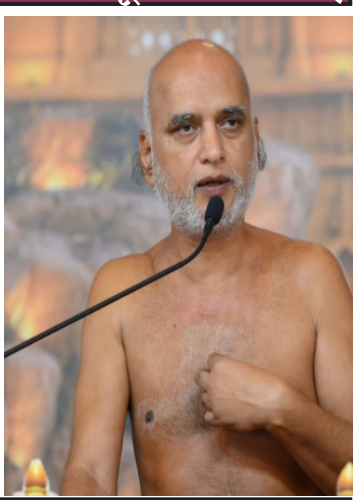




दैनिक समाचार पत्र

भारतार्थ खबर

खबर नहीं, उसका अर्थ



देश | समाज | राजनीति | अर्थव्यवस्था | शिक्षा | संस्कृति | दुनिया

दिल्ली में अवैध पांचवीं मंजिलों पर शिकंजा



लोगों की मौत के बाद दिल्ली सरकार ने अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नियमों का उल्लंघन कर बनाई गई पांचवीं मंजिल वाले भवनों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें सील करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने सोमवार को एक बार फिर सत्य निकेतन स्थित घटनास्थल का दौरा कर

किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा और लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अवैध निर्माण पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश सत्य निकेतन हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने भी चार मंजिल से अधिक किए गए

अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई तेज करने की बात कही है। नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित भवनों को तत्काल सील किया जा सकता है। प्रशासनिक स्तर पर यह भी स्पष्ट किया गया है कि अवैध निर्माण को अनुमति देने अथवा समय रहते कार्रवाई नहीं करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जांच में किसी अधिकारी की लापरवाही सामने आने पर उसके खिलाफ विभागीय और अन्य नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है। PG और किराये के भवनों की होगी सघन जांच सरकार के निर्देश के बाद सत्य निकेतन और आसपास के क्षेत्रों में संचालित पीजी, किराये के आवास और अन्य भवनों की सघन जांच की जाएगी। निर्माण नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित संपत्तियों के खिलाफ सीलिंग सहित आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सत्य निकेतन दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के निकट स्थित क्षेत्र है, जहां बड़ी संख्या में छात्र पीजी और किराये के मकानों में रहते

हैं। अधिकारियों के अनुसार, समय के साथ कई संपत्तियों में अतिरिक्त कमरे और मंजिलें जोड़े जाने की शिकायतें सामने आती रही हैं। P-14 भवन को लेकर जांच जारी जिस P-14 भवन के गिरने से छह लोगों की मौत हुई, वह लगभग 55 वर्ग गज के भूखंड पर निर्मित हुआ। हालांकि, भवन गिरने की सीटीक वजह का अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

सत्य निकेतन हादसे ने घनी आबादी वाले इलाकों में पुराने और नियमों के विपरीत बने भवनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली सरकार और एमसीडी की प्रस्तावित कार्रवाई का उद्देश्य ऐसे भवनों की पहचान कर संभावित दुर्घटनाओं को रोकना बताया जा रहा है।

अब प्रशासन की नजर विशेष रूप से अवैध अतिरिक्त मंजिलों, पीजी भवनों और निर्माण नियमों का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों पर रहेगी। साथ ही जांच में अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उनके खिलाफ भी जवाबदेही तय की जाएगी।

करीब 96.8 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने से भारत का आयात बिल पर दबाव बढ़ने की आशंका है। भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होने से व्यापार घाटे और महंगाई पर असर पड़ सकता है। इसका प्रभाव निवेशकों की बाजार धारणा पर भी दिखाई दे रहा है। वैश्विक घटनाक्रम पर रहेगी नजर आने वाले दिनों में भारतीय शेयर बाजार की दिशा कई महत्वपूर्ण कारकों से तय हो सकती है। इनमें पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, अमेरिकी मौद्रिक नीति, वैश्विक बाजारों का रुख और घेतलु स्तर पर निवेश एवं तरलता की स्थिति प्रमुख हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों को वैश्विक संकेतों और कंपनियों के बुनियादी प्रदर्शन पर नजर रखते हुए सतर्क रुख अपनाने की जरूरत है। फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

सत्य निकेतन हादसे ने घनी आबादी वाले इलाकों में पुराने और नियमों के विपरीत बने भवनों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दिल्ली सरकार और एमसीडी की प्रस्तावित कार्रवाई का उद्देश्य ऐसे भवनों की पहचान कर संभावित दुर्घटनाओं को रोकना बताया जा रहा है।

अब प्रशासन की नजर विशेष रूप से अवैध अतिरिक्त मंजिलों, पीजी भवनों और निर्माण नियमों का उल्लंघन करने वाली संपत्तियों पर रहेगी। साथ ही जांच में अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उनके खिलाफ भी जवाबदेही तय की जाएगी।

भारतार्थ खबर अशोक कुमार सिंह Bhaaratarth.com नई दिल्ली, 7 सितंबर 2026 दलीप

ट्रॉफी 2026 के फाइनल में ईस्ट जोन के कप्तान और विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने अपनी बल्लेबाजी का ऐसा जलवा दिखाया कि घरेलू क्रिकेट का यह मुकाबला इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गया। दक्षिण जोन के खिलाफ किशन ने धैर्य, आक्रामकता और शानदार स्ट्रोक-प्ले का अद्भुत संयोजन पेश करते हुए 270 रन की मैराथन पारी खेली। उनकी इस पारी ने ईस्ट जोन को पहली पारी में 708 रन के विशाल स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। 250 के बाद फिर लौटे मैदान पर ईशान किशन ने दूसरे दिन 111 रन से अपनी पारी आगे बढ़ाई और शानदार अंदाज में दोहरा शतक पूरा किया। 250 रन के आंकड़े तक पहुंचने के बाद वह थकान के कारण कुछ समय के लिए रिटायर्ड हट होकर मैदान से बाहर चले गए। हालांकि, बाद में वह दोबारा बल्लेबाजी के लिए लौटे और अपनी पारी

में 20 रन और जोड़कर कुल 270 रन बनाए। अंततः वह आउट हुए। दलीप ट्रॉफी फाइनल में ऐतिहासिक उपलब्धि किशन की



जबरत के मुताबिक आक्रामक बल्लेबाजी थी की। ईस्ट जोन ने खड़ा किया विशाल स्कोर किशन की बड़ी पारी के अलावा कुमार कुशग्र ने भी शतकीय पारी खेली। दोनों की साझेदारी ने ईस्ट जोन को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। किशन की पारी के दम पर ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन बनाए, जो दलीप ट्रॉफी फाइनल के इतिहास में बड़े टीम स्कोर में शामिल है। राष्ट्रीय टीम के लिए भी मजबूत दावा घरेलू क्रिकेट में इस तरह की लंबी और प्रभावशाली पारी ईशान किशन के लिए व्यक्तिगत रूप से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। लाल गेंद के क्रिकेट में उनकी यह पारी धैर्य और तकनीकी परिपक्वता का संकेत देती है। ऐसे प्रदर्शन के बाद भारतीय टीम में उनकी संभावित वापसी को लेकर चर्चा तेज होना स्वाभाविक है, हालांकि अंतिम फैसला चयनकर्ताओं के हाथ में होगा।

ईशान किशन की 270 रन की यह पारी न केवल ईस्ट जोन के लिए निर्णायक साबित हुई, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि बड़े मंच पर दबाव के बीच लंबी पारी खेलने की क्षमता उनके खेल में मौजूद है।

ईशान किशन की 270 रन की यह पारी न केवल ईस्ट जोन के लिए निर्णायक साबित हुई, बल्कि उन्होंने यह भी दिखाया कि बड़े मंच पर दबाव के बीच लंबी पारी खेलने की क्षमता उनके खेल में मौजूद है।

बाजार छह सप्ताह के निचले स्तर पर, सेंसेक्स-निफ्टी में करीब आधा प्रतिशत गिरावट

मुंबई, 7 सितंबर 2026। भारतीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार दबाव बना रहा। कारोबारी सत्र के अंत में सेंसेक्स और निफ्टी करीब आधा प्रतिशत टूटकर छह सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुए। वैश्विक बाजारों की कमजोर धारणा, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और आईटी शेयरों में भारी बिकवाली ने घरेलू बाजार पर दबाव बढ़ाया। सेंसेक्स 76,132 और निफ्टी 23,779 पर बंद बीएसई सेंसेक्स सोमवार को 0.5 प्रतिशत गिरकर 76,132.81 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह एनएसई का निफ्टी-50 0.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,779.15 अंक पर पहुंच गया। पिछले चार सप्ताह में सेंसेक्स में करीब 2.5 प्रतिशत और निफ्टी में लगभग 2.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। बाजार में व्यापक स्तर पर भी कमजोरी दिखाई दी। प्रमुख 16 सेक्टरों में से 14 सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों के बीच सतर्कता का माहौल बना रहा। आईटी शेयरों में सबसे



संबंधी मजबूत आंकड़ों के बाद वहां ब्याज दरों में कटौती की संभावनाओं को लेकर निवेशकों की धारणा

प्रभावित हुई। अमेरिकी ब्याज दरों और डॉलर की दिशा में बदलाव का भारतीय आईटी कंपनियों पर असर पड़ सकता है। इसी आशंका के चलते आईटी शेयरों में बिकवाली तेज रही। महंगे कच्चे तेल ने भारतीय शेयर बाजार की दिशा कई महत्वपूर्ण कारकों से तय हो सकती है। इनमें पश्चिम एशिया का भू-राजनीतिक तनाव, कच्चे तेल की कीमतें, अमेरिकी मौद्रिक नीति, वैश्विक बाजारों का रुख और घेतलु स्तर पर निवेश एवं तरलता की स्थिति प्रमुख हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार मौजूदा परिस्थितियों में निवेशकों को वैश्विक संकेतों और कंपनियों के बुनियादी प्रदर्शन पर नजर रखते हुए सतर्क रुख अपनाने की जरूरत है। फिलहाल बाजार में उतार-चढ़ाव बने रहने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।



भारतार्थ खबर अशोक कुमार सिंह Bhaaratarth.com नई दिल्ली, 7 सितंबर 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार, 8 सितंबर 2026 को गुजरात और महाराष्ट्र के दौर पर रहेंगे। प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री गुजरात के वडोदरा में 35,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शिलान्यास, को समर्पित करेंगे। इन परियोजनाओं पर 20,700 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए

जाएंगे। इन खर्चों के शुरू होने के बाद पश्चिमी समर्पित माल दुलाई गलियारा अपनी पूरी लंबाई में परिचालन के लिए तैयार हो जाएगा। इससे औद्योगिक क्षेत्रों और बंदरगाहों के बीच माल परिवहन की गति मिलने, लॉजिस्टिक्स लागत में कमी आने तथा मुंबई के मौजूदा रेल नेटवर्क पर दबाव घटने की उम्मीद है। रेलवे और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला वडोदरा कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री 329 किलोमीटर लंबी तीन रेलवे परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 9,700 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। इसके अलावा करीब 1,780 करोड़ रुपये की तीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का शिलान्यास प्रस्तावित है। वडोदरा-सूरत मार्ग पर छह लेन वाले फ्लाईओवर समेत कई सड़क परियोजनाओं का उद्घाटन भी कार्यक्रम का हिस्सा होगा। इन परियोजनाओं से क्षेत्र में यातायात व्यवस्था और सड़क संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है। मुंबई में ग्लोबल फिनेटेक

फेस्ट का उद्घाटन दौरे के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री शाम करीब 5:45 बजे मुंबई पहुंचेंगे, जहां वे ग्लोबल फिनेटेक फेस्ट 2026 का उद्घाटन करेंगे। इस वर्ष सम्मेलन में एंजेलिक एआई, टोकनाइजेशन और क्वांटम तकनीक जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के माध्यम से समावेशी, सुरक्षित और विश्वसनीय वित्तीय व्यवस्था को बढ़ावा देने पर चर्चा केंद्रित रहेगी। परिवहन से डिजिटल वित्त तक विकास का एजेंडा प्रधानमंत्री के गुजरात-महाराष्ट्र दौरे में परिवहन, रेलवे, सड़क, माल दुलाई और डिजिटल वित्त से जुड़ी परियोजनाओं को प्रमुखता से जोड़कर देखा जा रहा है।

सत्य निकेतन में इमारत ढही, 7 की मौत



नई दिल्ली, 7 सितंबर 2026। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में पांच मंजिला इमारत ढहने की दर्दनाक घटना ने राजधानी को झकझोर दिया। करीब 27 घंटे तक चले राहत एवं बचाव अभियान के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन समाप्त कर दिया गया। पुलिस के अनुसार हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है, जबकि 5 लोग घायल हुए हैं। घायलों में तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए चला अभियान बताया गया कि इमारत का इस्तेमाल छात्रों के लिए पेइंग गेस्ट (PG) आवास के रूप में किया जा

रहा था। मृतकों में पांच छात्र शामिल हैं। इमारत गिरने की सूचना मिलते ही NDRF, दिल्ली दमकल विभाग, पुलिस और अन्य बचाव दल मौके पर पहुंचे तथा मलबे में फंसे लोगों की तलाश शुरू की। लगातार कई घंटे चले अभियान में बचाव दलों ने मलबा हटाकर फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में घायल लोगों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इमारत मालिक गिरफ्तार घटना के संबंध में दिल्ली

पुलिस ने इमारत के मालिक हरिराम गुप्ता को राजस्थान के भिवाड़ो से गिरफ्तार किया है। पुलिस हादसे के कारणों, भवन निर्माण से जुड़े नियमों और संभावित लापरवाही के पहलुओं की जांच कर रही है। पांच MCD अधिकारी निलंबित किए जाने की जानकारी सामने आई है। दिल्ली सरकार ने बिना अनुमति बनाई गई अतिरिक्त मंजिलों और नियमों के विपरीत संचालित इमारतों की जांच के निर्देश भी दिए हैं।



हाईकोर्ट ने लिया सज़ाना सत्य निकेतन हादसे का मामला दिल्ली हाईकोर्ट तक भी पहुंचा। अदालत ने घटना को गंभीर मानते हुए संबंधित सरकारी विभागों से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 25 सितंबर को निर्धारित की गई है। सुरक्षा मानकों पर घटे सवाल सत्य निकेतन की घटना ने दिल्ली में पुराने भवनों, छात्र पीजी आवासों और निर्माण नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद सबसे बड़ी चुनौती ऐसी इमारतों की पहचान कर उनकी सुरक्षा जांच सुनिश्चित करना है, ताकि भविष्य में लापरवाही के कारण जानमाल का नुकसान न हो। प्रशासनिक स्तर पर जांच और कार्रवाई के साथ यह भी महत्वपूर्ण होगा कि भवन निर्माण एवं अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन कितनी प्रभावी तरीके से कराया जाता है। एनएच-80 पर अकबरनगर के

भवनाथपुर क्षेत्र के समीप बाढ़ का पानी सड़क पर पहुंच गया है। कई स्थानों पर पानी एक फीट से अधिक बताया जा रहा है, जिससे पैदल यात्रियों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नाथनगर के समीप दोगच्छी



क्षेत्र में बाढ़ का पानी नवनिर्मित मुगेर-मिजाचीकी ग्रीनफील्ड फोरलेन तक पहुंचने की सूचना है। ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने वाली करीब 50 गांवों और टोलों की सड़कों पर पानी चढ़ने से आवागमन प्रभावित हुआ है। ममलखा में बांध कटने के बाद गांव में घुसा पानी सबौर प्रखंड के ममलखा गांव के समीप ग्रामीण बांध के क्षतिग्रस्त होने के बाद गंगा का पानी तेजी से गांव में फैल गया। प्रभावित परिवारों ने आवश्यक सामान निकालकर सुरक्षित स्थानों की ओर जाना शुरू किया। बाढ़ का पानी स्कूल परिसर तक पहुंचने से शैक्षणिक व्यवस्था भी प्रभावित हुई। स्कूल प्रशासन ने आवश्यक सामग्री को

सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का प्रयास किया। स्थानीय स्तर पर कई स्थानों पर पानी का स्तर काफी बढ़ने की सूचना है। भागलपुर शहर के कई इलाकों में बढ़ा जलभराव शहरी क्षेत्र में भी बाढ़ का असर दिखाई देने लगा है। बरारी, आदमपुर और चंपा नाला सहित कई क्षेत्रों में पानी बढ़ने की सूचना है। विश्वविद्यालय परिसर के आसपास भी बाढ़ का पानी पहुंचने से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

साहे बगंज मुख्य मार्ग, नया बाजार और सखीचंद घाट की ओर जाने वाले मार्गों के आसपास पानी फैलने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। चंपानगर क्षेत्र में पानी घुसने से कुछ औद्योगिक और व्यावसायिक इकाइयों पर भी असर पड़ा है।

मोहिउद्दीननगर में 11 पंचायतें जलमग्न मोहिउद्दीननगर प्रखंड में गंगा और बाया नदी के जलस्तर में वृद्धि से बाढ़ की स्थिति अधिक गंभीर बताई जा रही है। यहां 11 पंचायतों के प्रभावित होने और बड़ी आबादी के सुरक्षित स्थानों, सड़कों तथा ऊंचे स्थानों पर शरण लेने की जानकारी सामने आई है। दिवारांचल के 200 से अधिक गांवों में पानी फैलने से संपर्क मार्ग प्रभावित हुए हैं। कई परिवारों के सुरक्षित स्थानों की ओर पलायन करने की सूचना है, जबकि पशुपालक अपने मवेशियों के साथ सुरक्षित ठिकानों की तलाश कर रहे हैं।

गुजरात में हर जिले में एंटी-नारकोटिक्स विंग, 7 दिन में होगी सक्रिय

गुजरात, 7 सितंबर 2026। गुजरात में मादक पदार्थों की तस्करी और नशीले पदार्थों से जुड़े अपराधों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस ने राज्य के सभी जिलों और पुलिस कमिश्नरेट क्षेत्रों में एंटी-नारकोटिक्स विंग (ANW) गठित करने का निर्णय लिया है। पुलिस विभाग ने सभी प्रस्तावित इकाइयों को अगले सात दिनों के भीतर सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं।



यह पहल मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन और उपमुख्यमंत्री हर्ष संधवी के नेतृत्व में झूठ नेटवर्क के खिलाफ अपनाई जा रही सख्त नीति के तहत की गई है। नई विशेष इकाइयों को मुख्य रूप से NDPS (नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस) से जुड़े अपराधों पर कार्रवाई की जिम्मेदारी दी जाएगी। पांच वर्षों में 13,600 करोड़ रुपये से अधिक के मादक पदार्थ जब्त गुजरात पुलिस के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में NDPS एक्ट के तहत 3,700 से अधिक मामले दर्ज किए गए और 5,346 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। इसी अवधि में लगभग 1.36 लाख किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 13,600 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस का कहना है कि नई व्यवस्था का उद्देश्य मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में विशेषज्ञता बढ़ाना और झूठ नेटवर्क पर अधिक प्रभावी ढंग से कार्रवाई करना है। आठ पुलिसकर्मियों की होगी एक यूनिट प्रत्येक एंटी-नारकोटिक्स विंग में कुल आठ पुलिसकर्मियों तैनात किए जाएंगे। टीम में एक पुलिस निरीक्षक, एक पुलिस उपनिरीक्षक, दो एएसआई या हेड कॉन्स्टेबल और चार पुलिस कॉन्स्टेबल शामिल होंगे। प्रत्येक यूनिट को वाहन और चालक की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। जिला स्तर की अटह संबंधित पुलिस अधीक्षक (SP) की निगरानी में काम करेंगे। अहमदाबाद और सूरत में के-टो यूनिट तथा वडोदरा और राजकोट में एक-एक यूनिट गठित किए जाने की जानकारी दी गई है।

सात दिन रामभक्ति में डूबा बेंगलुरु, विदाई बेला में नम हुई श्रद्धालुओं की आंखें



छाया चित्रकार किशोर कुमार दफ्तरी

भारतार्थ खबर अशोक कुमार सिंह Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 7 सितंबर 2026। पैलेस ग्राउंड, गेट नंबर-9 पर आयोजित दिव्य चेतना श्रीरामकथा का सातवां एवं विश्राम दिवस श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। सात दिनों तक चले इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने श्रीरामचरितमानस के विभिन्न प्रसंगों का

श्रवण किया। कथा के समापन अवसर पर विदाई की बेला भावुक रही और अनेक श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। परम पूज्य श्री राजन जी महाराज ने सात दिनों तक भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों के माध्यम से मयादा, सेवा, त्याग, समर्पण और भक्ति का संदेश दिया। अंतिम दिवस रावण-मारीच संवाद से लेकर हनुमान जी के लंका प्रवेश, माता सीता के दर्शन और लंका में उनके

पराक्रम तक के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया। रावण-मारीच संवाद से कथा ने लिया नया मोड़ कथा में सीता हरण के बाद रावण की श्रीराम से युद्ध करने की इच्छा का प्रसंग सुनाया गया। रावण मारीच के पास पहुंचा और अपनी योजना में सहयोग करने के लिए कहा। मारीच ने उसे भगवान श्रीराम की शक्ति से अवगत कराते हुए इस योजना से दूर रहने की सलाह दी, लेकिन रावण अपने निर्णय पर अडिग रहा। जटायु का त्याग और प्रभु का करुण भाव जटायु प्रसंग ने श्रद्धालुओं को भावुक कर दिया। माता सीता की रक्षा के प्रयास में जटायु ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। भगवान श्रीराम ने उनके प्रति पुत्रवत् स्नेह और सम्मान प्रकट किया। महाराज श्री ने इस प्रसंग को कर्तव्य, निष्ठा और त्याग का प्रेरक उदाहरण बताया। शबरी की निष्काम भक्ति का संदेश इसके बाद शबरी प्रसंग का वर्णन हुआ। महाराज श्री ने शबरी की प्रतीक्षा और निष्काम भक्ति को भक्ति की सच्ची भावना का उदाहरण बताया। भगवान श्रीराम की शबरी आश्रम पहुंचने और उनके आतिथ्य के स्वीकार करने के प्रसंग के माध्यम से



श्रद्धालुओं को बताया गया कि भक्ति में दिखावे के बजाय भाव की प्रधानता होती है। सुग्रीव से मित्रता और बाली वध कथा में भगवान श्रीराम और सुग्रीव की मित्रता तथा बाली वध का प्रसंग भी सुनाया गया। बाली के अंतिम समय में उसके पुत्र अंगद के संरक्षण का भाव सामने आया। इसके बाद श्रीराम ने सुग्रीव को किष्किंधा का राजा बनाया और माता सीता की खोज के लिए वानर सेना को विभिन्न दिशाओं में भेजा। हनुमान जी को मिली प्रभु की अंगूठी माता सीता की खोज का दायित्व हनुमान जी को मिला। भगवान श्रीराम ने उन्हें अपनी अंगूठी देते हुए माता सीता तक अपनी निशानी पहुंचाने का संदेश दिया। जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्ति का स्मरण कराया, जिसके बाद वे समुद्र पार कर लंका की ओर रवाना हुए। सुरसा की परीक्षा में दिखाई बुद्धिमता लंका जाते समय हनुमान जी की परीक्षा सुरसा ने ली। हनुमान जी ने बल के साथ बुद्धि और विनम्रता का परिचय देते हुए सूक्ष्म रूप धारण कर सुरसा को चुनौती पूरी की। इस प्रसंग के माध्यम से महाराज श्री ने



समझाया कि केवल शक्ति ही पर्याप्त नहीं, बल्कि परिस्थितियों के अनुसार विवेक का उपयोग भी आवश्यक है। विभीषण से भेंट, अशोक वाटिका में सीता दर्शन लंका पहुंचने के बाद हनुमान जी ने लंकिनी को परास्त कर नगर में प्रवेश किया। वहां उन्हें विभीषण का भवन दिखाई दिया और दोनों की भेंट हुई। विभीषण ने माता सीता को किष्किंधा के नगर में होने की जानकारी दी। अशोक वाटिका में हनुमान जी ने माता सीता को भगवान श्रीराम की अंगूठी देकर प्रभु का संदेश पहुंचाया। माता सीता ने जब उनसे तत्काल अपने साथ ले जाने का आग्रह किया तो हनुमान जी ने प्रभु की आज्ञा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें माता सीता का पता लगाने और उनका समाचार लेने के लिए भेजा गया है। वह प्रसंग आलापालन और मयादा का महत्वपूर्ण संदेश बना। अशोक वाटिका में हनुमान जी का पराक्रम माता सीता से अनुमति लेने के बाद हनुमान जी ने अशोक वाटिका में अपना पराक्रम दिखाया। राक्षसों से उनका संघर्ष हुआ और रावण के पुत्र की अक्षय कुमार का वध किया गया। इसके

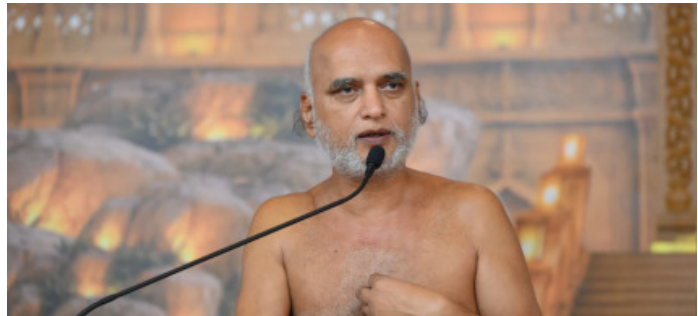
बाद मेघनाद ने उनका सामना किया और ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया। कथा में बताया गया कि हनुमान जी ने ब्रह्मास्त्र की मयादा का समान करते हुए स्वयं को उसके प्रभाव में आने दिया। महाराज श्री ने इस प्रसंग के माध्यम से कहा कि वास्तविक शक्ति वही भवन दिखाई देता और दोनों की भेंट हुई। विभीषण ने माता सीता को किष्किंधा के नगर में होने की जानकारी दी। अशोक वाटिका में हनुमान जी ने माता सीता को भगवान श्रीराम की अंगूठी देकर प्रभु का संदेश पहुंचाया। माता सीता ने जब उनसे तत्काल अपने साथ ले जाने का आग्रह किया तो हनुमान जी ने प्रभु की आज्ञा का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्हें माता सीता का पता लगाने और उनका समाचार लेने के लिए भेजा गया है। वह प्रसंग आलापालन और मयादा का महत्वपूर्ण संदेश बना। अशोक वाटिका में हनुमान जी का पराक्रम माता सीता से अनुमति लेने के बाद हनुमान जी ने अशोक वाटिका में अपना पराक्रम दिखाया। राक्षसों से उनका संघर्ष हुआ और रावण के पुत्र की अक्षय कुमार का वध किया गया। इसके



सहयोग के लिए आभार ट्रस्ट के अध्यक्ष शैलेश मिश्रा ने कहा कि सात दिवसीय कथा का सफल आयोजन किसी एक व्यक्ति का प्रयास नहीं, बल्कि ट्रस्ट सदस्यों, आयोजन समिति, सेवाभावी कार्यकर्ताओं, सहयोगियों और पूरे समाज के सामूहिक प्रयास का परिणाम है। उन्होंने सभी सहयोगकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन में शैलेश मिश्रा, रोहित उपाध्याय, धीरज राज, आदेश, गौरी मिश्रा, गणेश मिश्रा, लालबाबू पांडेय, पी.पी. पांडेय, जटाशंकर, प्रवीण पांडेय, संजय सिंह उज्जैन, राजेश शिकरवाल सहित आयोजन समिति के सदस्यों ने विभिन्न व्यवस्थाओं में जिम्मेदारियां निभाईं। करीब 40 हजार श्रद्धालुओं ने सुनी कथा ट्रस्ट के सचिव रोहित उपाध्याय ने बताया कि सात दिनों के दौरान करीब 40,000 श्रद्धालुओं ने श्रीरामकथा का श्रवण किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक दिन श्रद्धालुओं की संख्या और उत्साह में वृद्धि देखने को मिली। ट्रस्ट की उपाध्यक्ष गौरी मिश्रा ने महिला शक्ति को

कलश वितरित कर सम्मानित किया और कथा के आयोजन में मातृशक्ति की सहभागिता के लिए आभार जताया। कोषाध्यक्ष धीरज राज ने आयोजन में सहयोग देने वाले दाताओं और सहयोगकर्ताओं को रामायण जी, श्रीराम जी का पटका, स्मृति-चिह्न और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। बिना वीआईपी संस्क्रुति के हुई व्यवस्था आयोजन समिति के सदस्य प्रवीण पांडेय ने बताया कि कथा की एक विशेषता यह रही कि आयोजन में किसी प्रकार की वीआईपी संस्क्रुति नहीं रखी गई। सभी श्रद्धालुओं के लिए समान व्यवस्था की गई और उपलब्ध सीटों के अनुसार बैठने की सुविधा दी गई। ट्रस्ट अध्यक्ष शैलेश मिश्रा ने सात दिवसीय कथा के दौरान भंडारे में सहयोग के लिए अवध एक्सप्रेस के प्रति भी आभार व्यक्त किया। सात दिनों तक चले इस आध्यात्मिक आयोजन का समापन केवल कथा के विश्राम के रूप में नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के लिए श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारने के संकल्प के साथ हुआ।

भेड़चाल छोड़ें, विवेकपूर्ण श्रद्धा अपनाएं: वीरसागर जी



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 7 सितंबर 2026। निर्यापक श्रमण श्री 108 वीर सागर जी महाराज ने कहा कि धर्म के मार्ग पर अंधाधुनक नहीं, बल्कि विवेकपूर्ण श्रद्धा आवश्यक है। जब श्रद्धा है या नहीं, बल्कि वह है कि उसकी श्रद्धा सत्य प्रारंभ होती है। बेंगलुरु में आयोजित प्रवचन के दौरान उन्होंने मनुष्य के जीवन में श्रद्धा, सम्यक् दर्शन और भेड़चाल की मानसिकता पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का शिक्षित व्यक्ति सांसारिक विषयों में निर्णय लेने से पहले पूरी जांच-पड़ताल करता है, लेकिन धर्म और आत्मकल्याण जैसे महत्वपूर्ण विषयों में कई बार बिना विचार किए परंपरा का अनुसरण करने लगता है। श्रद्धा कैसी है, यही

महत्वपूर्ण प्रश्न महाराज श्री ने कहा कि संसार में कोई भी व्यक्ति पूरी तरह श्रद्धाविहीन नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी विश्वास, मान्यता या धारणा के आधार पर जीवन जीता है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि मनुष्य में श्रद्धा है या नहीं, बल्कि वह है कि उसकी श्रद्धा सत्य पर आधारित है अथवा अज्ञान और अनुकरण पर। उन्होंने कहा कि मनुष्य की आंतरिक मान्यताएं ही उसके जीवन की दिशा निर्धारित करती हैं। इसलिए श्रद्धा का सही दिशा में होना अत्यंत आवश्यक है। सम्यक् दर्शन में हेय-उपादेय का विवेक जैन दर्शन में सम्यक् दर्शन को आध्यात्मिक प्रगति का महत्वपूर्ण चरण बताते हुए उन्होंने कहा कि सम्यक् दर्शन केवल पूजा-पाठ अथवा परंपरा का पालन नहीं है। इसका सार हेय और उपादेय का विवेक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विष को हानिकारक समझने के लिए उसे पीकर देखना आवश्यक

नहीं है। प्रमाण, ज्ञान और तर्क के आधार पर यह समझा जा सकता है कि विष त्याज्य है। इसी प्रकार कि कौन-सा मार्ग आत्मकल्याणकारी है और कौन-सा मोह, अज्ञान तथा बंधन की ओर ले जाता है। इस सत्य की वस्तु पर विचार, धर्म में क्यों नहीं? वीर सागर जी महाराज ने आधुनिक जीवन की विडंबना पर ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि मोबाइल, वाहन, शिक्षा, विवाह अथवा निवेश जैसे सांसारिक निर्णयों में मनुष्य विवेकपूर्ण नहीं होता है। प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी विश्वास, मान्यता या धारणा के आधार पर जीवन जीता है। इसलिए सवाल यह नहीं है कि मनुष्य में श्रद्धा है या नहीं, बल्कि वह है कि उसकी श्रद्धा सत्य पर आधारित है अथवा अज्ञान और अनुकरण पर। उन्होंने कहा कि मनुष्य की आंतरिक मान्यताएं ही उसके जीवन की दिशा निर्धारित करती हैं। इसलिए श्रद्धा का सही दिशा में होना अत्यंत आवश्यक है। सम्यक् दर्शन में हेय-उपादेय का विवेक जैन दर्शन में सम्यक् दर्शन को आध्यात्मिक प्रगति का महत्वपूर्ण चरण बताते हुए उन्होंने कहा कि सम्यक् दर्शन केवल पूजा-पाठ अथवा परंपरा का पालन नहीं है। इसका सार हेय और उपादेय का विवेक है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि विष को हानिकारक समझने के लिए उसे पीकर देखना आवश्यक

अनुसरण करता रहे, तो करुणा धीरे-धीरे परंपरा और परंपरा सत्य का रूप ले सकती है। देव, गुरु और शास्त्र की भी परख जैन दर्शन की विवेकशील परंपरा का उल्लेख करते हुए वीर सागर जी महाराज ने कहा कि देव, गुरु और शास्त्र को स्वीकार करने से पहले उनके वास्तविक स्वरूप और गुणों को समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को विचार करना चाहिए कि जिसकी वह आश्रयता कर रहा है, क्या वह वास्तविक स्वरूप है, जिसे गुरु मान रहा है, क्या उसकी जीवन में संतुष्टि, त्याग और आत्मनुशासन है, तथा जिस शास्त्र को स्वीकार कर रहा है, क्या उसकी शिक्षा आत्मकल्याण और मोक्षमार्ग की ओर ले जाती है। विवेक से जुड़ी श्रद्धा ही सच्ची भक्ति प्रवचन के समापन पर महाराज श्री ने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे धर्म को केवल परंपरा के रूप में न लें, बल्कि उसे समझें, प्रश्न करें और सत्य की कसौटी पर परखने का साहस विकसित करें। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति भय, मोह या गतानुगतिकता अर्थात् भेड़चाल की मानसिकता को धर्म और समाज दोनों के लिए चिंतनजनक बनाते हुए कहा कि बड़ी संख्या में लोगों द्वारा किसी कार्य को किया जाना उसकी सत्यता का प्रमाण नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार किसी घटना या व्यवस्था का मूल उद्देश्य समय के साथ भुला दिया जाता है और उसके स्थान पर रूढ़िमान्वादी विकसित हो जाती है। यदि व्यक्ति बिना कारण जाने केवल दूसरों का



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
चेन्नई, 7 सितंबर 2026। चेन्नई के साहूकारपेट स्थित श्री राजेश्वर भवन में रविवार को चौधरी आंजणा समाज द्वारा प्रतिभावन विद्यार्थी सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 98 छात्र-छात्राओं को मेडल और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ हुआ। चौधरी आंजणा समाज शिक्षा समिति के अध्यक्ष

दिनेश करड़ ने प्रतिभावन विद्यार्थी सम्मान समारोह के उद्देश्य और महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने विश्वास जताया कि सम्मान और प्रोत्साहन से विद्यार्थी भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करेंगे। समारोह के मुख्य अतिथि एवं वीआईटी चेन्नई के प्रोफेसर डॉ. राजू पटेल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के छात्रों में अपार क्षमता है, आवश्यकता केवल उसे सही दिशा देने और निरंतर मेहनत से निखारने की है।

गुरुदेव के सान्निध्य में जीवनपथ ज्ञानग्रंथ का विमोचन

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 7 सितंबर 2026। बेंगलुरु स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल आश्रम में आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकरजी के सान्निध्य में जीवनपथ - संस्कार, शिष्टाचार और शिक्षा - उज्ज्वल जीवन पथ ज्ञानग्रंथ का विमोचन किया गया। इस अवसर पर पुस्तक के लेखक डॉ. भरतभाई राणाभाई पटेल सहित परिवारजन एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। पुस्तक का विमोचन लेखक के लिए विशेष अवसर रहा। संयोगवश यह कार्यक्रम उनके पुत्र जय के जन्मदिवस पर आयोजित हुआ। लेखक ने इसे अपने परिवार के लिए भावनात्मक और स्मरणीय अवसर बताया। संस्कार और शिक्षा पर केन्द्रित पुस्तक जीवनपथ में शिक्षा को केवल पाठ्यक्रम और पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित न रखते हुए संस्कार, शिष्टाचार,



जैसे विषयों को भी स्थान दिया गया है। लेखक के अनुसार, पुस्तक की रचना के पीछे सेवा, साधना, ध्यान, सत्यंग, सकारात्मक जीवन और मानव कल्याण

से जुड़े विचारों की प्रेरणा रही है। वसुधैव कुटुम्बक की भावना को भी पुस्तक की मूल दृष्टि से जोड़ा गया है। विद्यार्थियों और परिवारों तक पहुंचाने का उद्देश्य लेखक का उद्देश्य जीवनपथ के माध्यम से विद्यार्थियों, युवाओं, अभिभावकों और शिक्षकों तक संस्कारयुक्त शिक्षा का संदेश पहुंचाना है। पुस्तक में यह विचार प्रमुखता से रखा गया है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ज्ञान के साथ व्यक्ति के चरित्र, व्यवहार और मानवीय दृष्टिकोण का विकास भी होना चाहिए। प्रकाशन संस्था के प्रति आभार

पुस्तक के प्रकाशन में ब्रीकानेर स्थित सूर्य प्रकाशन मंदिर के योगदान के लिए लेखक ने संस्था और उनका पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। लेखक के अनुसार, प्रकाशन संस्था के प्रयासों से पुस्तक को व्यवस्थित और पाठकों के लिए उपयोगी स्वरूप प्रदान किया गया। लेखक ने बताया आशीर्वाद का अमूल्य अवसर डॉ. भरतभाई राणाभाई पटेल ने कहा कि श्री श्री रविशंकरजी के सान्निध्य में जीवनपथ का विमोचन उनके लिए केवल पुस्तक के लोकार्पण का अवसर नहीं, बल्कि उनकी ज्ञान और संस्कार यात्रा के लिए प्रेरणादायी क्षण है। उन्होंने कहा कि उनका प्रयास है कि यह पुस्तक अधिक से अधिक विद्यार्थियों, युवाओं और परिवारों तक पहुंचे तथा समाज में संस्कारयुक्त शिक्षा, शिष्टाचार, सकारात्मक चिंतन और मानव कल्याण की भावना को प्रोत्साहित करने में उपयोगी बने। उन्होंने कहा, गुरुदेव का आशीर्वाद भरे लिए इस पुस्तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मेरा प्रयास है कि जीवनपथ ज्ञान, संस्कार और मानवता के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सार्थक कदम बने।

महिलाओं पर अपमानजनक टिप्पणी बर्दाश्त नहीं: विजय

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
चेन्नई, 7 सितंबर 2026। तमिलनाडु विधानसभा में महिलाओं के खिलाफ कथित अपमानजनक और अशोभनीय टिप्पणियों को लेकर मुख्यमंत्री विजय ने कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विरोध और आलोचना लोकतांत्रिक व्यवस्था का हिस्सा हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ दोहरे या तिहरे अर्थ वाली भाषा का इस्तेमाल स्वीकार नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा कि अभिव्यक्ति के स्वतंत्रता प्रत्येक व्यक्ति का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल जिम्मेदारी और मर्याद के साथ किया जाना चाहिए। उन्होंने राजनीतिक दलों और नेताओं से अपील की कि राजनीतिक कारणों से किसी भी व्यक्ति, विशेषकर महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली भाषा का प्रयोग न किया जाए।



के बारे में अपमानजनक, अश्लील या दोहरे अर्थ वाले बयान देने से बचना चाहिए। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि कानून का उल्लंघन होने पर संबंधित मामलों में कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने

यह भी कहा कि महिलाओं की भूमिका उनके जीवन और सफलता में महत्वपूर्ण रही है। ऐसे में सार्वजनिक जीवन में महिलाओं के सम्मान और गरिमा को बनाए रखना आवश्यक है। तृषा से जुड़े विवाद के बाद आया बयान मुख्यमंत्री का यह बयान अभिनेत्री तृषा से जुड़े हालिया विवाद के बीच आया है। मामला तमिलनाडु विधानसभा में विपक्ष के नेता उदयनिधि

स्टालिन द्वारा कावेरी जल मुद्दे को लेकर तंजावुर में दिए गए एक भाषण से जुड़ा है। बताया गया कि रैली के दौरान थोड़ की ओर से अभिनेत्री तृषा का नाम लेकर नारे लगाए गए। इसके बाद उदयनिधि ने कावेरी नदी के पानी के संदर्भ में एक टिप्पणी की, जिसे कुछ लोगों ने अभिनेत्री तृषा और मुख्यमंत्री विजय से जोड़कर देखा तथा उसे दोहरे अर्थ वाला बताया। हालांकि, उदयनिधि स्टालिन ने इस आरोप से अलग रख अपनाया है। उनका कहना है कि उनकी टिप्पणी का संदर्भ पूरी तरह कावेरी नदी के पानी से था और उन्होंने किसी व्यक्ति का नाम लेकर टिप्पणी नहीं की थी। राजनीतिक बयानबाजी भी जारी विधानसभा की कार्यवाही के बाद पत्रकारों से बातचीत में उदयनिधि ने मुख्यमंत्री और उनकी सरकार पर राजनीतिक आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि डीएमके के खिलाफ कई आरोप लगाए गए, लेकिन विपक्ष को उनका जवाब देने के लिए पर्याप्त

अवसर नहीं दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम ने तमिलनाडु की राजनीति में राजनीतिक भाषा की मर्यादा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और महिलाओं के सम्मान को लेकर बहस को तेज कर दिया है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी जरूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक नेताओं को सरकार की नीतियों और विपक्ष की भूमिका पर सवाल उठाने का अधिकार है। लेकिन सार्वजनिक मंचों पर इस्तेमाल की जाने वाली भाषा को लेकर जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विवाद के केंद्र में मौजूद टिप्पणी को लेकर अलग-अलग पक्षों के दावे सामने आए हैं। ऐसे में अंतिम निष्कर्ष संबंधित बयान के पूरे संदर्भ और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर ही निकाला जाना उचित होगा। फिलहाल मुख्यमंत्री विजय ने महिलाओं के खिलाफ अपमानजनक भाषा को लेकर अपनी सरकार का कड़ा रुख स्पष्ट कर दिया है।

अव्यवस्थित फाइलों पर मंत्री की नाराजगी, सुधार के निर्देश

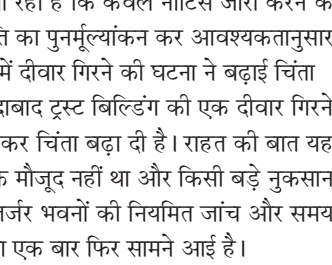
भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 7 सितंबर 2026। कर्नाटक के जल संसाधन मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने कर्नाटक इरिगेशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड (KNNL) की प्रगति समीक्षा बैठक में शामिल होने के दौरान निगम के अकाउंट्स एवं प्रशासन विभाग का अचानक निरीक्षण किया। कार्यालय में फाइलों के अंगूठित ढंग से रखे होने पर मंत्री ने अधिकारियों के प्रति नाराजगी जताते हुए रिर्काउंट प्रबंधन में तत्काल सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान डेस्क और शेल्फ पर महत्वपूर्ण फाइलें बिना निर्धारित क्रम के रखी दिखाई दीं। मंत्री ने कहा कि सरकारी कार्यालयों में फाइलों और अभिलेखों का व्यवस्थित रखरखाव प्रशासनिक कार्यप्रणाली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। विशेष रूप से परियोजनाओं और वित्तीय मामलों से संबंधित दस्तावेजों को इस तरह सुरक्षित एवं व्यवस्थित रखा

जाना चाहिए कि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से उपलब्ध कराया जा सके। मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को कार्यालय में अलग रिर्काउंट रूम की व्यवस्था करने तथा आवश्यकतानुसार रैक लगाकर फाइलों को निर्धारित श्रेणी और क्रम में रखने के निर्देश दिए। उन्होंने उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्थित रिर्काउंट-मैनजमेंट प्रणाली लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कार्यालय परिसर में साफ-सफाई और अनुशासन बनाए रखने को भी कहा। मंत्री के अनुसार, प्रशासनिक कार्यों के प्रभावी संचालन के

लिए कार्यालय का वातावरण व्यवस्थित होना आवश्यक है। अगले निरीक्षण में लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि निरीक्षण के दौरान सामने आई कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि आगामी निरीक्षण में यदि रिर्काउंट व्यवस्था और कार्यालय संचालन में फिर से लापरवाही पाई गई तो जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मंत्री के अचानक निरीक्षण को कार्यालयीन कार्यप्रणाली, रिर्काउंट प्रबंधन और प्रशासनिक जवाबदेही को बेहतर बनाने का दिश में एक सख्त प्रशासनिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

लखनऊ में 208 जर्जर भवनों पर खतरे की घंटी

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
लखनऊ, 7 सितंबर 2026। राजधानी लखनऊ में 208 जर्जर इमारतों को नगर निगम ने संभावित रूप से खतरनाक भवनों की सूची में चिह्नित किया है। इनमें से कई इमारतें घनी आबादी वाले क्षेत्रों में स्थित हैं और नगर निगम द्वारा नोटिस दिए जाने के बावजूद बड़ी संख्या में भवनों को खाली नहीं कराया जा सका है। नगर निगम के अनुसार, जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों को संभावित खतरे से अवगत कराते हुए नोटिस जारी किए गए हैं। हालांकि, कई मामलों में भवन खाली कराने अथवा उनकी मरम्मत की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी है। इससे बरसात और मौसम संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों के दौरान दुर्घटना की आशंका को लेकर चिंता बढ़ गई है। पुराने लखनऊ में सबसे अधिक जर्जर भवन नगर निगम की सूची में पुराने और सघन आबादी वाले क्षेत्रों में जर्जर भवनों की संख्या अधिक बताई गई है। लालकुआं, केसरबाग, अमीनाबाद, शिवाजी मार्ग, मौलवीगंज, उदयगंज, गोलागंज, गणेशगंज, नरही बाजार, वजीरगंज, आर्यनगर, यहियागंज, राजेंद्र नगर, चक्रबाग, पडैयगंज, ऐशबाग और अन्य क्षेत्रों में ऐसे भवन चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा चौक, हुसेनाबाद, अकबरी गेट, कश्मीरी मोहल्ला, अशफाबाद और त्रिवेणीनगर समेत कई इलाकों में भी जर्जर भवनों की मौजूदगी बताई गई है। पुराने शहर के अनेक भवनों में किराएदारी, मालिकाना अधिकार और संपत्ति बंटवारे से जुड़े विवाद होने के कारण मरम्मत या भवन खाली कराने की कार्रवाई जटिल हो जाती है। नोटिस के बावजूद कई भवन खाली नहीं



नगर निगम के अवर अभियंता विकास सिंह के अनुसार, चिह्नित जर्जर भवनों में रहने वाले लोगों को नोटिस जारी कर संभावित खतरे के प्रति सचेत किया गया है। हालांकि, कई भवनों में लोग अब भी निवास कर रहे हैं। ऐसे मामलों में प्रशासनिक कार्रवाई, भवन स्वामित्व और निवासियों के पुनर्वास जैसे मुद्दे चुनौती बने हुए हैं। स्थानीय स्तर पर यह चिंता भी जताई जा रही है कि केवल नोटिस जारी करने के बजाय अत्यधिक खतरनाक भवनों की स्थिति का पुनर्मूल्यांकन कर आवश्यकतानुसार प्रभावी कार्रवाई की जानी चाहिए। गोलागंज में दीवार गिरने की घटना ने बढ़ाई चिंता

हाल के दिनों में गोलागंज स्थित महमूदाबाद ट्रस्ट बिल्डिंग की एक दीवार गिरने की घटना ने जर्जर भवनों की स्थिति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। राहत की बात यह रही कि घटना के समय आसपास कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था और किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली। इस घटना के बाद जर्जर भवनों की नियमित जांच और समय रहते सुरक्षा उपाय किए जाने की आवश्यकता एक बार फिर सामने आई है।

संजय के. अग्रवाल बने राजस्थान हाईकोर्ट के 44वें मुख्य न्यायाधीश

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
जयपुर, 7 सितंबर 2026। राजस्थान हाईकोर्ट को सोमवार को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के न्यायाधीश संजय के. अग्रवाल ने राजस्थान हाईकोर्ट के 44वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने उन्हें शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के बाद जस्टिस संजय के. अग्रवाल ने राष्ट्रपति भवन से जारी नियुक्ति वारंट पर हस्ताक्षर किए। इसके साथ ही उन्होंने राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में औपचारिक रूप से कार्यभार संभाल लिया। राजभवन में हुआ शपथ ग्रहण समारोह शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा सहित राज्य सरकार के कई मंत्री उपस्थित रहे। राजस्थान हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के अलावा न्यायपालिका और प्रशासन से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी भी समारोह में शामिल हुए। जस्टिस अग्रवाल की नियुक्ति के साथ राजस्थान हाईकोर्ट के स्थायी मुख्य



न्यायाधीश को लेकर बनी स्थिति भी स्पष्ट हो गई। इससे पहले जस्टिस संजीव प्रकाश शर्मा कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश के रूप में जिम्मेदारी संभाल रहे थे। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से राजस्थान पहुंचे जस्टिस संजय के. अग्रवाल इससे पहले छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में न्यायाधीश के रूप में कार्यरत थे। राजस्थान हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पद पर उनकी नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश और केंद्र सरकार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद हुई। नए मुख्य न्यायाधीश के सामने न्यायिक प्रशासन को प्रभावी बनाने और लंबित मामलों के निपटारे में तेजी लाने जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां रहेंगी। राजस्थान हाईकोर्ट में विभिन्न प्रकृति के बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं। ऐसे में उनके कार्यकाल में न्यायिक प्रक्रिया की गति और प्रशासनिक दक्षता पर विशेष ध्यान देने की उम्मीद है। न्यायिक प्रशासन पर रहेगी नजर राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्य पीठ जोधपुर में है, जबकि जयपुर में इसकी पीठ कार्यरत है। दोनों स्थानों पर आपराधिक, सिविल, संवैधानिक, प्रशासनिक और अन्य महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई होती है। मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस अग्रवाल की भूमिका केवल न्यायिक मामलों की सुनवाई तक सीमित नहीं होगी, बल्कि हाईकोर्ट के प्रशासनिक संचालन और न्यायिक कार्यों के समन्वय में भी महत्वपूर्ण रहेगी। लंबित मामलों के शीघ्र निस्तारण और अदालतों के कामकाज को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में उनके निर्णय महत्वपूर्ण माने जाएंगे।

नेतृत्व को लेकर स्थिति हुई स्पष्ट कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की व्यवस्था के बाद राजस्थान हाईकोर्ट के लिए नए स्थायी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति की प्रक्रिया पूरी हुई। अब जस्टिस संजय के. अग्रवाल के पदभार संभालने के साथ हाईकोर्ट के शीर्ष न्यायिक नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही राजस्थान हाईकोर्ट के 44वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में जस्टिस संजय के. अग्रवाल के कार्यकाल की औपचारिक शुरुआत हो गई।

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com

बेंगलुरु, 7 सितंबर 2026। कस्तूरी कन्नडा युवक संघ, शिवानंद नगर द्वारा आयोजित गौरवनाहली महालक्ष्मी देवी उत्सव की भव्य शोभायात्रा श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों ने भाग लिया। कार्यक्रम वातावरण और उत्साह के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। इस अवसर पर कस्तूरी कन्नडा युवक संघ के अध्यक्ष शंकर ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का सम्मान कर उनका स्वागत किया। आयोजकों ने धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को आगे बढ़ाने वाले ऐसे आयोजनों को समाज में आपसी सद्भाव और एकता का माध्यम बताया। गौरवनाहली महालक्ष्मी देवी उत्सव और शोभायात्रा ने क्षेत्र में धार्मिक आस्था का वातावरण बनाया। आयोजन में स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही। समाचार प्रेषक: उपेन्द्र कुमार, बेंगलुरु

सिंचाई प्रोजेक्ट्स में देरी बर्दाश्त नहीं: चालुवरायस्वामी

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com
बेंगलुरु, 7 सितंबर 2026। जल संसाधन मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने राज्य में चल रहे सिंचाई प्रोजेक्ट्स को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश देते हुए अधिकारियों को स्पष्ट चेतावनी दी है कि काम में लापरवाही और अनावश्यक देरी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं का वास्तविक लाभ तभी माना जाएगा, जब पानी किसानों के खेतों तक पहुंचे। मंत्री ने सोमवार को कर्नाटक सिंचाई कॉर्पोरेशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं और निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक में अधिकारियों से प्रोजेक्टवार जानकारी ली। बैठक में कार्यों की वर्तमान स्थिति, वित्तीय प्रगति, लंबित कार्यों, तकनीकी अड़चनों और परियोजनाओं को समय पर पूरा करने की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा हुई। फाइलों में नहीं, जनम पर दिखे प्रगति मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि परियोजनाओं की प्रगति केवल सरकारी फाइलों और रिपोर्टों में

गुणवत्ता तथा प्रगति की प्रत्यक्ष निगरानी करने के निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि केवल कार्यालय में बैठकर फाइलों की समीक्षा करने से राज्य में जनता का धन है, इसलिए उससे होने वाले निर्माण कार्य टिकाऊ और निर्धारित मानकों के अनुरूप होने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित गुणवत्ता जांच करने के निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी परियोजना में घटिया गुणवत्ता पाई गई तो संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। लापरवाही पर अधिकारियों को चेतावनी मंत्री ने कहा कि सरकार विकास कार्यों के लिए आवश्यक धनराशि उपलब्ध करा रही है और प्रशासनिक सहयोग भी दिया जा रहा है। ऐसे में यदि अधिकारियों की लापरवाही के कारण परियोजनाओं में अनावश्यक देरी होती है तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रत्येक परियोजना के लिए स्पष्ट कार्ययोजना और समय-सीमा निर्धारित करने तथा प्रगति की चरणबद्ध समीक्षा करने के निर्देश दिए। निर्धारित लक्ष्य हासिल नहीं करने वाली परियोजनाओं में देरी के कारणों की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने को भी कहा गया। किसानों तक पानी पहुंचाना अंतिम लक्ष्य मंत्री ने कहा कि सिंचाई परियोजनाओं का अंतिम

उद्देश्य किसानों की भूमि तक पानी पहुंचाना है। इसलिए किसी भी परियोजना को वर्षा तक लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को पानी की उपलब्धता, तकनीकी समस्याओं, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास तथा वन एवं पर्यावरण संबंधी मंजूरियों से जुड़े मामलों को संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर शीघ्र हल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागों के बीच समन्वय और प्रयोजनाओं की प्रगति में बाधा नहीं बननी चाहिए। जहां आवश्यकता हो, वहां वरिष्ठ अधिकारियों को हस्तक्षेप कर लंबित मामलों का शीघ्र समाधान करना चाहिए। हर परियोजना की नियमित निगरानी के निर्देश मंत्री ने सभी निमाणाधीन परियोजनाओं के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय करने और उसी के अनुरूप कार्य पूरा करने को कहा। परियोजनाओं की प्रगति पर लगातार नजर रखने के लिए प्रभावी निगरानी व्यवस्था विकसित करने तथा नियमित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने कहा कि सरकारी परियोजनाएं केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उनका

लाभ सीधे जनता तक पहुंचना चाहिए। विशेष रूप से सिंचाई परियोजनाएं किसानों की आजीविका से जुड़ी हैं, इसलिए इनके क्रियान्वयन में अधिकारियों को जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ कार्य करना होगा। बैठक में कर्नाटक सिंचाई कॉर्पोरेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाली विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति, वित्तीय स्थिति, लंबित कार्यों, तकनीकी समस्याओं और परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री एन. चालुवरायस्वामी ने कहा कि किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाना सरकार की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से परियोजनाओं को गति देने के साथ-साथ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बनाए रखने और किसानों को समय पर उसका लाभ सुनिश्चित करने का आह्वान किया। बैठक में जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा कर्नाटक सिंचाई कॉर्पोरेशन के प्रबंध निदेशक, मुख्य अभियंता तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।



बच्चों के लिए भी जरूरी है योग कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए जी.बी.आर. कॉलेज के प्राचार्य एस.एस. पाटील ने कहा कि आर्थिक प्रगति की दौड़ में समाज के

गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच और जीवन-मूल्यों का विकास किया जा सकता है। उन्होंने योग समिति से शहर के स्कूलों एवं कॉलेजों में नियमित योग गतिविधियां संचालित करने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। मधुमेह और मोटापे पर केंद्रित शिविर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. लक्ष्मण डी. लामाणी ने कहा कि मधुमेह और मोटापा वर्तमान समय की प्रमुख जीवनशैली संबंधी समस्याओं में शामिल हैं। इन्हें चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विशेष योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि पतंजलि परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के प्रयास से शिविर को लोगों का अच्छा समर्थन मिल रहा है तथा भविष्य में भी जनहित में ऐसे विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

राजस्थान में स्कूलों की जर्जर इमारतें बनीं खतरा

बाहर वाहनों की पार्किंग को लेकर आपत्ति जताई है। वहीं, घटना ने भवन की सुरक्षा



और समय रहते जर्जर हिस्सों की मरम्मत किए जाने को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। डींग में प्राथमिक विद्यालय का बड़ा हिस्सा ढहा दूसरी घटना डींग जिले के कामां क्षेत्र में सामने आई। रविवार शाम बारिश के दौरान प्राथमिक विद्यालय भवन का एक बड़ा हिस्सा अचानक गिर गया। बताया गया कि भवन की छत पूरी तरह ढह गई, जबकि

टीकराम जूनी ने सोशल मीडिया के माध्यम से राज्य सरकार पर निशाना साधा है। विपक्ष ने सरकारी स्कूलों की स्थिति और विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की है। इन घटनाओं के बीच शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर भी चर्चा तेज हो गई है। विपक्षी नेताओं और आलोचकों ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़े अधिकारियों एवं सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए हैं। विद्यार्थियों की सुरक्षा सबसे अहम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा किसी भी व्यवस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है। भवनों की नियमित जांच, जर्जर हिस्सों की पहचान, समय पर मरम्मत और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त भवनों में कक्षाएं संचालित नहीं करना जरूरी है। अजमेर और डींग की घटनाओं में विद्यार्थियों के सुरक्षित रहने से बड़ा हादसा टल गया, लेकिन ऐसी घटनाएं भविष्य के लिए चेतावनी भी हैं। स्कूल भवनों की स्थिति का समयबद्ध निरीक्षण कर आवश्यक मरम्मत और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करना शिक्षा विभाग के लिए महत्वपूर्ण चुनौती है।



चरण, निर्धारित समय में पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों तथा तकनीकी और प्रशासनिक बाधाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को नियमित रूप से निर्माण स्थलों का निरीक्षण करने और कार्य की

परियोजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित नहीं किया जा सकता। निर्माण गुणवत्ता से समझौता नहीं एन. चालुवरायस्वामी ने सिंचाई कार्यों की गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी धन